RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

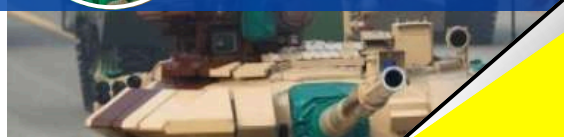

DATE
जून
26
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

आपातकाल के 50 वर्ष / 50 years of emergency

संदर्भ:

25 जून को आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हो गए। 50 वर्ष पहले भारत में घोषित आपातकाल न केवल एक राजनीतिक निर्णय था, बल्कि लोकतंत्र की मूल आत्मा पर गहरी चोट भी था। अगले 21 महीनों तक देश एक ऐसे दौर से गुज़रा जिसमें नागरिक अधिकार स्थगित कर दिए गए, विरोध की आवाज़ों को दबा दिया गया और सत्ता का संचालन संवैधानिक मर्यादाओं के बाहर जाकर किया गया। यह दौर आज भी भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक चेतावनी के रूप में याद किया जाता है।

राष्ट्रीय आपातकाल क्या है ? (अनुच्छेद 352)

परिभाषा:

राष्ट्रीय आपातकाल भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 352** के तहत एक संवैधानिक प्रावधान है, जिसके तहत देश की सुरक्षा को खतरे की स्थिति में राष्ट्रपति आपातकाल घोषित कर सकते हैं।

आपातकाल घोषित करने के आधार-

राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल तब घोषित किया जा सकता है जब भारत या उसके किसी भाग की सुरक्षा को खतरा हो:

- युद्ध (War)
- बाह्य आक्रण (External Aggression)
- सशस्त्र विद्रोह (Armed Rebellion)

आधारों का विकास:

- **मूल प्रावधान (1950):** "आंतरिक अव्यवस्था" जैसे अस्पष्ट और व्यापक शब्द का उपयोग किया गया था।
- **38वाँ संशोधन अधिनियम (1975):** राष्ट्रपति की संतुष्टि को अंतिम और न्यायिक समीक्षा से परे घोषित कर दिया गया।
- **44वाँ संशोधन अधिनियम (1978):**
  - "आंतरिक अव्यवस्था" को हटाकर "सशस्त्र विद्रोह" जोड़ा गया।
  - न्यायिक समीक्षा का अधिकार पुन: बहाल किया गया।

घोषणा की प्रक्रिया (Process of Proclamation):

- **प्रारंभ:** केवल प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि पूर्ण मंत्रिमंडल (Union Cabinet) को राष्ट्रपति को लिखित सिफारिश देनी होती है।
- पूर्वानुमानिक शक्ति : आपातकाल युद्ध/आक्रमण/विद्रोह की पूर्व आशंका के आधार पर भी घोषित किया जा सकता है।

संसदीय अनुमोदन (Parliamentary Approval)

- **समय सीमा:** दोनों सदनों द्वारा 1 माह के भीतर अनुमोदन अनिवार्य।
- **विशेष बहुमत (Special Majority) आवश्यक:**
  - कुल सदस्यों का बहुमत
  - उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत
- **अवधि:** 6 माह के लिए वैध; हर 6 माह में नवीन अनुमोदन से अनिश्चितकाल तक बढ़ाया जा सकता है।

क्षेत्रीय विस्तार (Territorial Application)

- **मूल स्थिति:** पूरे देश पर लागू।
- **42वाँ संशोधन अधिनियम (1976):** आपातकाल को विशिष्ट राज्य या क्षेत्र तक सीमित करने का प्रावधान जोड़ा गया।

न्यायिक समीक्षा (Judicial Review)

- **पूर्व-1975:** आपातकाल की घोषणा को न्यायालय में चुनौती दी जा सकती थी।
- **38वाँ संशोधन:** राष्ट्रपति की घोषणा न्यायिक समीक्षा से मुक्त हो गई।
- **44वाँ संशोधन:** न्यायिक समीक्षा पुन: बहाल की गई।
- **मिनर्वा मिल्स केस (1980):** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपातकाल की घोषणा मलाफाइड, अप्रासंगिक या निरर्थक आधारों पर हो, तो इसे अवैध ठहराया जा सकता है।

आपातकाल की समाप्ति (Revocation):

- **राष्ट्रपति कभी भी आपातकाल को समाप्त कर सकते हैं**, इसके लिए संसद की अनुमति आवश्यक नहीं है।
- **लोकसभा की निगरानी:**
  - यदि लोकसभा के **1/10 सदस्य लिखित सूचना** दें, तो स्पीकर या राष्ट्रपति को **14 दिनों के भीतर विशेष सत्र बुलाना** होगा।
  - साधारण बहुमत से पारित **निरस्त प्रस्ताव (Disapproval Motion)** के माध्यम से आपातकाल को समाप्त किया जा सकता है।

त्रिपक्षीय बैठक: चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश / Trilateral meeting: China, Pakistan and Bangladesh

संदर्भ:

चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने हाल ही में अपनी पहली तीनतरफ़ा विदेश सचिव स्तर की बैठक कुन्मिंग में आयोजित की, जिसमें "सहयोग" को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा हुई। यह रणनीतिक कदम दक्षिण एशिया में चीन की सक्रिय भागीदारी की पुष्टि करता है। बैठक के दौरान एक कार्य समूह बनाने का निर्णय लिया गया, जिसका उद्देश्य "मित्रवत, समकक्ष और पारस्परिक विश्वास" पर आधारित सहयोग को मजबूत करना है ।

त्रिपक्षीय बैठक: चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश:

उद्देश्य: तीनों देशों ने **विश्वास, समझ और साझा दृष्टिकोण** के आधार पर **क्षेत्रीय शांति, समृद्धि और स्थिरता** को लेकर विचार साझा किए।

प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग:

बैठक में निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग की पहचान की गई:

- बुनियादी ढांचा व संपर्क (Infrastructure & Connectivity)
- व्यापार और निवेश
- स्वास्थ्य और कृषि
- समुद्री सहयोग, सूचना व संचार प्रौद्योगिकी (ICT), आपदा प्रबंधन व जलवायु परिवर्तन

बैठक के प्रमुख निष्कर्ष:

- एक वर्किंग ग्रुप का गठन किया गया, जो समझौतों के क्रियान्वयन पर कार्य करेगा।
- बैठक ने सच्चे बहुपक्षवाद और खुले क्षेत्रीयवाद (open regionalism) पर बल दिया – किसी तीसरे पक्ष को लक्षित नहीं किया गया।

ये देश पास क्यों आ रहे हैं ?

1. चीन के रणनीतिक हित:

- **BRI विस्तार:** चीन दक्षिण एशिया में Belt and Road Initiative के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।
- **Indo-Pacific को संतुलित करना:** यह प्रयास **क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया)** और इंडो-पैसिफिक रणनीति को संतुलित करने के रूप में देखा जा सकता है।

2. पाकिस्तान की रणनीति:

- **क्षेत्रीय अलगाव:** पाकिस्तान क्षेत्रीय कूटनीतिक अलगाव झेल रहा है, और चीन को स्थायी सहयोगी के रूप में देखता है।
- **भारत के प्रभाव को संतुलित करना:** बांग्लादेश को जोड़कर पाकिस्तान दक्षिण एशिया में भारत की पकड़ को कम करने की कोशिश कर रहा है।

3. बांग्लादेश की संतुलन रणनीति:

- **भारत और चीन के बीच संतुलन:** परंपरागत रूप से भारत के निकट होते हुए भी बांग्लादेश **चीनी निवेश व अवसंरचना** को आकर्षित करना चाहता है।
- **आर्थिक हित:** चीन बांग्लादेश का शीर्ष व्यापारिक साझेदार और FDI का प्रमुख स्रोत है।

भू-राजनीतिक प्रभाव:

- **'महाद्वीपीय ब्लॉक' का प्रयास:** यह त्रिपक्षीय साझेदारी एक चीन-प्रभावित दक्षिण एशियाई ब्लॉक में परिवर्तित हो सकती है, जो भारत-प्रेरित BIMSTEC, BBIN जैसी पहलों को चुनौती दे सकती है।
- **चीनी समुद्री विस्तार:** यदि सहयोग बंगाल की खाड़ी तक बढ़ता है, तो यह भारत के समुद्री प्रभाव क्षेत्र में चीनी प्रवेश को दर्शाएगा।
- **SAARC की अप्रासंगिकता:** भारत-पाक तनाव के कारण निष्क्रिय SAARC के स्थान पर चीन-केन्द्रित क्षेत्रीय प्रारूप उभर सकता है।
- **रणनीतिक बंदरगाहों पर नियंत्रण:** चटगांव (बांग्लादेश) और ग्वादर (पाकिस्तान) जैसे बंदरगाहों में चीनी निवेश **दोहरे उपयोग (सैन्य + नागरिक)** की आशंका को जन्म देता है।

आगे की राह: भारत के लिए रणनीतिक विकल्प:

- **क्षेत्रीय बहुपक्षवाद को सशक्त करना:** भारत को BIMSTEC, BBIN, IORA जैसे समूहों को सक्रिय और व्यावहारिक बनाना चाहिए।
- **पड़ोस नीति का पुन:संरेखण:**
  - दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना
  - विश्वसनीय आर्थिक सहायता
  - सुरक्षा सहयोग तंत्र
  - छोटे देशों की संप्रभुता का सम्मान
- **समुद्री कूटनीति का विस्तार:**
  - QUAD की नौसैनिक कवायदें मजबूत करें
  - सागरमाला और प्रोजेक्ट 'मौसम' को गति दें
  - हिंद महासागर क्षेत्रीय देशों (सेशेल्स, मॉरीशस, इंडोनेशिया) से रणनीतिक साझेदारी गहराएं

ब्लैक मास रिकवरी टेक्नोलॉजी / Black Mass Recovery Technology

संदर्भ:

भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के तहत कार्यरत प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (TDB) ने हाल ही में गुरुग्राम स्थित स्टार्टअप **BatX Energies** को वित्तीय सहायता प्रदान की है। यह सहयोग स्वदेशी बैटरी रीसाइक्लिंग तकनीक के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है, जिससे भारत में सतत ऊर्जा समाधान और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा।

ब्लैक मास रिकवरी तकनीक-

प्रौद्योगिकी का उद्देश्य: यह तकनीक उपयोग की गई लिथियम-आयन बैटरियों से लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे कीमती खनिजों की पुनर्प्राप्ति (recovery) के लिए विकसित की गई है।

प्रमुख विशेषताएँ:

1. दोहरे मोड वाली प्रक्रिया (Dual-Mode System): गीली (Wet) और सूखी (Dry) दोनों प्रक्रियाओं का उपयोग करके उच्च पृथक्करण दक्षता (High Separation Efficiency) प्राप्त की जाती है।

2. पूर्ण स्वदेशी तकनीक:

- यह एक **संपूर्ण एंड-टू-एंड प्रक्रिया** है जिसमें शामिल हैं:
  - बैटरियों का संग्रह
  - श्रेडिंग (कतरना)
  - मेटल लीचिंग (धातु निष्कर्षण)
  - डाउनस्ट्रीम शुद्धिकरण
- तकनीक **स्वदेश में विकसित व पेटेंटेड** है।

3. उच्च पुनर्प्राप्ति दर (High Recovery Rates):

- इस प्रक्रिया के माध्यम से **97%–99% तक की पुनर्प्राप्ति** संभव है।
- यह बैटरियों से आवश्यक खनिजों को कुशलतापूर्वक निकालने की दृष्टि से अत्यंत प्रभावी है।

स्थिरता व प्रभाव:

- **खनन और आयात पर निर्भरता में कमी:** यह तकनीक महत्वपूर्ण खनिजों के आयात और पारंपरिक खनन की आवश्यकता को घटाती है।
- **परिपत्र अर्थव्यवस्था को समर्थन:** पुराने बैटरियों से पुन: उपयोग योग्य सामग्री निकालकर यह तकनीक सर्कुलर इकॉनमी के सिद्धांत को बढ़ावा देती है।

ब्लैक मास क्या है ?

- ब्लैक मास एक गाढ़ा, काले रंग का पाउडर है, जो उपयोग की गई लिथियम-आयन बैटरियों के भीतर पाया जाता है।
- **इसमें शामिल होते हैं:**
  - लिथियम (Li)
  - कोबाल्ट (Co)
  - निकेल (Ni)
  - मैंगनीज़ (Mn)
- इसे पुनर्प्राप्त, शुद्ध और नई बैटरियों के निर्माण में दोबारा प्रयोग किया जा सकता है।

इसका महत्व क्यों है ?

1. रणनीतिक संसाधन (Strategic Resource):

- ब्लैक मास में मौजूद धातुएँ इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) और स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों के लिए अनिवार्य हैं।
- यह क्रिटिकल मिनरल्स का पुनर्नवीकरणीय स्रोत बनकर उभर रहा है।

2. परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा:

- ब्लैक मास की रीसाइक्लिंग से बैटरियों का स्थायी उत्पादन चक्र बनता है।
- यह कच्चे खनिजों के खनन पर निर्भरता कम करता है और ई-कचरे को घटाता है।

3. आर्थिक और भू-राजनीतिक महत्व:

- ब्लैक मास पर नियंत्रण देशों के लिए रणनीतिक स्वायत्तता का माध्यम बनता जा रहा है।
- चीन का इस क्षेत्र में दबदबा है, जिससे अन्य देश स्वदेशी संसाधनों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

निष्कर्ष: ब्लैक मास न केवल धातुओं के पुन: उपयोग का स्रोत है, बल्कि यह ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता, और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रणनीतिक बढ़त का माध्यम भी है।

डिजिटल भुगतान इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म / Digital Payment Intelligence Platform

संदर्भ:

डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने के प्रयास में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के मार्गदर्शन में एक **डिजिटल पेमेंट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (DPIP)** विकसित किया जा रहा है। इसे एक **डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI)** के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों को शामिल किया गया है। यह पहल डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

DPIP क्या है ?

- **DPIP (Digital Public Infrastructure for Prevention of Financial Frauds)** एक प्रस्तावित प्रणाली है जो धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन को मजबूत करने के लिए इंटेलिजेंस साझा करने और उन्नत तकनीकों के माध्यम से कार्य करेगी।
- इसका उद्देश्य बैंकों के बीच समन्वय को बढ़ाकर मौजूदा धोखाधड़ी पहचान तंत्र को अधिक प्रभावी बनाना है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- **इंटेलिजेंस शेयरिंग:** वास्तविक समय में जानकारी साझा करने की प्रणाली, जिससे धोखाधड़ी का पता जल्द लग सके।
- **तकनीकी एकीकरण:** आधुनिक तकनीकों के उपयोग से डेटा विश्लेषण व धोखाधड़ी ट्रैकिंग को सशक्त बनाना।
- **बैंकों के बीच समन्वय:** सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के बैंकों को एकीकृत नेटवर्क में जोड़ना।

समिति गठन: DPIP की स्थापना के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा हेतु **श्री ए.पी. होता** की अध्यक्षता में **एक समिति का गठन** किया गया है।

प्रोटोटाइप निर्माण:

- RBI इनोवेशन हब (RBIH) को 5-10 बैंकों के साथ परामर्श कर DPIP का प्रारूप (prototype) तैयार करने का कार्य सौंपा गया है।
- इसमें सरकारी और निजी - दोनों प्रकार के बैंक शामिल होंगे।

आवश्यकता क्यों है ?

- **RBI की वार्षिक रिपोर्ट (FY25):**
  - FY24 में जहां बैंकिंग धोखाधड़ी की राशि ₹12,230 करोड़ थी,
  - वहीं FY25 में यह तीन गुना बढ़कर ₹36,014 करोड़ हो गई।
- यह तेज़ वृद्धि दर्शाती है कि वर्तमान धोखाधड़ी पहचान प्रणाली में खामियाँ हैं, जिसे DPIP दूर कर सकता है।

प्रमुख चुनौतियाँ:

- **छल व धोखा देने की रणनीति:** धोखेबाज़ आमतौर पर फिशिंग, पहचान चुराना, कार्ड विवरण चोरी जैसे तरीकों से ग्राहकों को निशाना बनाते हैं।
- **मनी लॉन्ड्रिंग:** चोरी की गई राशि को कई खातों के माध्यम से घुमाकर बैंकिंग प्रणाली की निगरानी से बचा लिया जाता है।
- **जांच में बाधाएँ:**
  - धोखाधड़ी की देर से रिपोर्टिंग
  - पीड़ित द्वारा साक्ष्य मिटा देना
  - असंरचित और धीमी डेटा साझाकरण प्रणाली

RBI की वर्तमान पहलें:

- **मल्टी-फैक्टर प्रमाणीकरण:** सभी बैंकों को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के लिए बहु-स्तरीय प्रमाणीकरण अनिवार्य रूप से लागू करना है।
- **शून्य उत्तरदायित्व नीति:** ग्राहक की गलती न होने पर, बैंक या थर्ड पार्टी की चूक से हुए नुकसान के लिए ग्राहक की कोई जिम्मेदारी नहीं।
- **सत्यापन योग्य डोमेन (bank.in और fin.in):** ग्राहकों को फर्जी वेबसाइटों से बचाने के लिए RBI ने सरकारी बैंकिंग डोमेन निर्धारित किए हैं।

आगे की राह:

- **समेकित प्रयास:** भारत में वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए आवश्यक है –
  - तकनीकी नवाचार
  - विनियामकीय सुधार
  - तेज व मानकीकृत डेटा साझा करना
  - जन जागरूकता
- **सहयोग अनिवार्य:** बैंक, फिनटेक कंपनियाँ, कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ और ग्राहक – सभी का मिलकर कार्य करना आवश्यक है।
- **प्रमुख रोकथाम उपाय:**
  - मल्टी-डिवाइस लॉगिन अलर्ट
  - बैंकिंग ऐप्स पर स्क्रीन-शेयरिंग निष्क्रिय करना
  - स्पष्ट और विस्तृत बैंक स्टेटमेंट अनिवार्य करना

कैंडिडा ट्रॉपिकलिस / Candida tropicalis

संदर्भ:

हाल ही में **PLOS Biology** में प्रकाशित एक शोध पत्र में यह खुलासा हुआ है कि **'Candida tropicalis'** नामक कवक सामान्य एंटी-फंगल दवाओं – जैसे **फ्लुकोनाज़ोल** और **वोरिकोनाज़ोल** – के प्रति प्रतिरोध विकसित कर रहा है। अध्ययन में पाया गया कि यह प्रतिरोध **क्रोमोसोमीय बदलावों (chromosome alterations)** के माध्यम से उत्पन्न हो रहा है, जिससे इलाज की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

Candida tropicalis क्या है ?

- Candida tropicalis एक खमीर (yeast) प्रजाति है, जो Candida वंश से संबंधित है।
- यह Candida albicans के बाद दूसरी सबसे विषैला (virulent) कैंडिडा प्रजाति मानी जाती है।

चिकित्सीय महत्त्व:

- **ज्यादा जोखिम वाले रोगी:**
  - यह संक्रमण मुख्य रूप से न्यूट्रोपीनिया और कैंसर से ग्रस्त रोगियों में पाया जाता है।
  - प्रतिरक्षा कमजोर होने पर संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

रोगजनन कारक:

- **कोशिका से चिपकना:** मुंह की उपकला (buccal epithelial) और एंडोथीलियल कोशिकाओं से चिपकने की क्षमता।
- **लिटिक एंजाइम्स का स्राव:** प्रोटीनाज, फॉस्फोलाइपेस, हीमोलाइसिन्स
- **फेनोटाइपिक स्विचिंग:** पर्यावरण के अनुसार रूप बदलने की क्षमता, जिससे यह प्रतिरक्षा प्रणाली से बच पाता है।

औषधि प्रतिरोध (Drug Resistance)

- **Azoles के प्रति सामान्य प्रतिरोध**, विशेषकर **fluconazole** के प्रति उच्च प्रतिरोध।
- **Echinocandins** के प्रति **कम प्रतिरोध** दर्शाता है, इसलिए यह प्रभावी विकल्प हो सकते हैं।

विशेष जैविक गुण (Biological Features)

- **मजबूत बायोफिल्म निर्माता:** C. tropicalis को प्रबल biofilm बनाने वाली प्रजातियों में गिना जाता है।
- **Osmotolerant:** यह उच्च नमक सांद्रता वाले वातावरण (saline environments) में भी जीवित रह सकता है।

Axiom-4 मिशन / Axiom-4 Mission

संदर्भ:

Axiom-4 मिशन सफलतापूर्वक प्रक्षेपण हो गया है। इस ऐतिहासिक मिशन में भारत के **शुभांशु शुक्ल** भी चार सदस्यीय दल का हिस्सा हैं। अब यह अंतरिक्ष यान **अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** की ओर अग्रसर है।

Axiom-4 मिशन क्या है ?

- **Axiom-4** अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की ओर भेजा गया **चौथा निजी मानव अंतरिक्ष मिशन** है।
- यह मिशन **Axiom Space** द्वारा संचालित किया गया, जिसमें व्यावसायिक और वैज्ञानिक अनुसंधान के उद्देश्यों को केंद्र में रखा गया।

प्रमुख उद्देश्य (Mission Goals):

- अंतरिक्ष स्टेशन पर **60 से अधिक अत्याधुनिक वैज्ञानिक प्रयोग** किए जा रहे हैं, जिनका फोकस है:
  - सूक्ष्म गुरुत्व जैवविज्ञान
  - कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)
  - सतत कृषि (Sustainable Agriculture)
  - सामग्री विज्ञान (Materials Science)

भारत के लिए महत्व:

- मिशन ISRO के गगनयान मिशन की तैयारी को मजबूती देता है।
- भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर का तकनीकी अनुभव और मानव अंतरिक्ष मिशनों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होती है।
- इससे ISRO और NASA के बीच मानव अंतरिक्ष उड़ान सहयोग और भी सुदृढ़ होता है।

शुभांशु शुक्ला:

- राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष जाने वाले दूसरे भारतीय बने – लगभग 40 वर्षों के अंतराल के बाद।
- ISS पर पहुंचने वाले पहले भारतीय भी बने।
- वे ISRO के गगनयान मिशन के लिए चयनित चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक हैं।

निष्कर्ष:

Axiom-4 मिशन भारत के लिए तकनीकी, रणनीतिक और प्रेरणादायक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मिशन न केवल अंतरिक्ष विज्ञान में सहयोग को बढ़ाता है, बल्कि गगनयान जैसी स्वदेशी उड़ानों के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

अनंतपद्मनाभ (Ananthapadmanabha) मंदिर

संदर्भ:

हाल ही में **अनंतपद्मनाभ मंदिर** में खुदाई के दौरान **15वीं शताब्दी का एक प्राचीन दीपक** (antique lamp) खोजा गया है। यह ऐतिहासिक खोज न केवल मंदिर की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है, बल्कि उस कालखंड की कला, धातु निर्माण तकनीक और धार्मिक परंपराओं की झलक भी प्रस्तुत करती है।

अनंतपद्मनाभ मंदिर: परिचय

- **स्थान:** पेरदुरु, उडुपी ज़िला, कर्नाटक
- यह मंदिर अपनी दुर्लभ धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों और शैव-वैष्णव परंपराओं के समन्वय के लिए प्रसिद्ध है।

विशेष कलाकृति: प्राचीन दीप:

- यह दीपक एक दुर्लभ कलात्मक वस्तु है जिसमें शैव और वैष्णव दोनों सम्प्रदायों से जुड़ी मूर्तियाँ उकेरी गई हैं।
- यह 1456 ई. में बसवन्नारस बांगा द्वारा दान किया गया था (साक्ष्य: मंदिर के अंदर प्राकार में शिलालेख)।

दीप की दो मुख्य मूर्तिकला दृश्य-

1. पहला चेहरा – शैव विषय (Shaiva Theme):

- भगवान शिव प्रलय तांडव मुद्रा में - नटराज रूप में दर्शाए गए हैं।
- साथ में - पार्वती, गणपति, बृंगी, खड्ग रावण (हथियारों व खोपड़ी के प्रतीक), और कुमार (मोर पर सवार)।

2. दूसरा चेहरा – वैष्णव विषय (Vaishnava Theme):

- दर्शित देवता - ब्रह्मा, इन्द्र, अनंतपद्मनाभ (चमचा और शंख लिए हुए), अग्नि और वरुण
- सभी देवता समभंग मुद्रा में हैं।
- कथा - शिव के प्रलयंकारी तांडव से भयभीत होकर सभी देवता भगवान अनंतपद्मनाभ से संरक्षण मांगते हैं, जो फिर शिव को शांत करते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण मूर्तियाँ-

- **गुरुड़ा** - दीपक के आधार पर केंद्र में स्थित।
- **शांत मुद्रा में शिव** - दीप के पीछे प्रार्थनारत अवस्था में।
- **खड्ग रावण** - देवी मारी पर विराजमान, जिन्हें आज भी **स्थानीय शक्ति देवी** के रूप में पूजा जाता है।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व-

- यह दीपक दुर्लभ ऐतिहासिक, धार्मिक और कलात्मक धरोहर है।
- यह शैव-वैष्णव समन्वय और लोक देवी परंपरा का अद्वितीय उदाहरण है।

किर्स्टी कॉवेंट्री / kirsty coventry

संदर्भ:

किर्स्टी कॉवेंट्री ने खेल इतिहास में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए **अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC)** की पहली **महिला** और पहली **अफ्रीकी** अध्यक्ष बनने का गौरव प्राप्त किया है।

किर्स्टी कॉवेंट्री के बारे में-

- **देश:** ज़िम्बाब्वे
- **उपलब्धियां:** ओलंपिक में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता तैराक
- **IOC भूमिका:** पूर्व सदस्य, अब बनीं IOC की **पहली महिला और पहली अफ्रीकी अध्यक्ष**
- **महत्व:** IOC में नेतृत्व और समावेशिता की दिशा में ऐतिहासिक कदम

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के बारे में:

- **भूमिका:** ओलंपिक खेलों की निगरानी और संचालन करने वाली सर्वोच्च संस्था
- **मूल्य:** खेलों के माध्यम से शांति, एकता और उत्कृष्टता को बढ़ावा
- **मुख्यालय:** लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैंड
- **कार्य:** ग्रीष्म और शीतकालीन ओलंपिक के मेज़बान शहरों का चयन

IOC की संरचना:

- **अध्यक्ष:** शीर्ष पद, IOC का प्रतिनिधित्व और संचालन
- **सेशन (सत्र):** सभी सदस्यों का सर्वोच्च निकाय; अध्यक्ष और मेज़बान शहर चुनता है
- **कार्यकारी बोर्ड:** दैनिक संचालन और ओलंपिक आयोजन की निगरानी
- **IOC सदस्य:** विभिन्न देशों के प्रतिनिधि जो निर्णय प्रक्रिया में भाग लेते हैं
- **राष्ट्रीय ओलंपिक समितियाँ (NOCs):** देशों में ओलंपिक मूल्यों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को समर्थन देने वाली संस्थाएँ

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
Pathshala
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

CALL CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: